श्री शिर्डी साईं संस्थानम् और कार्यपालक अधिकारी ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य एवं प्रशासन के विरुद्ध शिकायत और, शास्त्रार्थ करने का निमन्त्रण

पत्र सन्दर्भ सं. 120716/1

दिनांक : 12.07.2016

स्थान/शिविर : औरंगाबाद

आदरणीय .....

विषय : श्री शिर्डी साईं संस्थानम् और कार्यपालक अधिकारी ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य एवं प्रशासन के विरुद्ध शिकायत और उनकी गलतियों तथा मिथ्या प्रचार को सुधारने और हिन्दुविरोधी तत्वों का समर्थन जो कि हिन्दुओं में आपस में और हिन्दू एवं मुसलमानों तथा अन्य लोगों में टकराव एवं भारत में कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न कर रहा है, को रोकने हेतु अनुरोध अथवा शास्त्रार्थ करने का निमन्त्रण

प्राचीन भारतीय परम्परा के अनुसार यह ऐतिहासिक तथ्य है कि श्री आदि शंकराचार्य का जन्म 2500 वर्ष पूर्व कालडि में अवैदिक दर्शनों से सनातन धर्म को बचाने के लिए हुआ और उन्होंने 71 अप्राधिकृत दार्शनिक पद्धतियों की भर्त्सना किया । पिछले कुछ वर्षों से श्री श्री श्री गोविंदानन्द सरस्वती स्वामी जी अपने गुरु (ज्योतिष्पीठ एवं द्वारकपीठ जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री श्री स्वरूपानन्द सरस्वती स्वामी जी) के निर्देशानुसार दक्षिण एवं उत्तर भारत में धर्मप्रचार आरम्भ किया और उनकी यात्रा के दौरान यह उनके संज्ञान में यह बात आयी कि साईं बाबा का नाम लगाते हुए कुछ स्वघोषित गुरु और बाबा लोग यह दावा कर रहे हैं कि वे साईं बाबा के शिष्य और अवतार हैं और वे जनता को सनातन धर्म से दिग्भ्रमित कर रहे हैं और जब श्री स्वामीजी ने उनसे शास्त्रानुसार प्रश्न किया तो साईं के कुछ अनुयायियों ने स्वामीजी के लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करना आरम्भ किया , यह ऐतिहासिक तथ्य है कि शिर्डी साईं बाबा जन्मतः एक मुस्लिम थे और शिर्डी साईं संस्थानम् के ही आधिकारिक प्रकाशन "साईं सच्चरित्र" के अनुसार स्वयं साईं बाबा ने ही कहा है कि वह जन्म से एक मुस्लिम थे और यह स्पष्ट लिखा है कि वे मांस खाते थे और नमाज अता करते थे और मस्जिद में

रहते थे और भक्तों को मांसयुक्त "मीठा" प्रसादम् के रूप में वितरित करते थे। जब हमने साईं के स्वघोषित भक्तों और शिर्डी के मुस्लिम फ़कीर के अन्य अनुयायियों से यह सब पूछा तो उन्होंने श्री स्वामीजी पर हमला करना आरम्भ किया और हिन्दू सनातन धर्म को क्षतिग्रस्त करने का भरपूर प्रयास किया और यहां तक की हिन्दू देवताओं कृष्ण, राम, हनुमान को गाली देना आरम्भ किया

हमारे प्राचीन हिन्दू परम्परा के अनुसार 33 करोण देवताओं के अतिरिक्त फकीर मुस्लिम की पूजा की कोई प्रक्रिया नहीं है और शिर्डी साईं बाबा के लिए कोई पूजा विधान नहीं है और यह कठोरता से वर्जित है , और मुस्लिम फ़कीर साईं बाबा की गुरु या भगवान् के रूप में पूजा करना हिन्दू विधि और परम्परा के विरुद्ध है और शिर्डी साईं बाबा के नाम से कुछ लोग व्यापार कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि वे भी फ़कीर मुस्लिम साईं बाबा के अवतार हैं यहां तक कि हिन्दू देवताओं और गुरुओं से भी

बड़े हैं और हिन्दू लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और धनउगाही कर रहे हैं जो कि हिन्दू धर्म के विरुद्ध है और सम्पूर्ण भारत में क़ानून व्यवस्था की भी समस्या उत्पन्न कर रहे हैं । यह केवल शिर्डी साईं बाबा सस्थानम् के कारण से है जो हिंदुओं क बीच और केवल हिंदुओं के बीच नहीं अपितु हिंदुओं और मुसलमानों के बीच भी टकराव में परिणत हो रहा है जो कि भारत देश के लिए बहुत खतरनाक संकेत है।

और हम शिर्डी साईं संस्थानम् की गतिविधियों को बन्द करने का अनुरोध करते हैं जो धर्म के नाम पर लोगों को दिग्भ्रमित कर रही हैं और जो सम्पूर्ण भारत में असामाजिक तत्वों के उभरने का कारण है जो मूल भारतीय परम्परा और गुरुपरम्परा को प्रभावित कर रही हैं।

और असामाजिक तत्वों के साथ पिछले दिनों अनेक बुरे अनुभव हुए (जैसे कि आंध्र प्रदेश और तेलगाना के शिव शक्ति साई अनुग्रह महापीठम् के रमणानंद महर्षि जो कि लगभग 60000 लोगों के साथ साईं बाबा के नाम पर धोखा करके धन उगाही कर रहा है और जिसने न केवल आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अपितु महाराष्ट्र में भी क़ानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न किया)।

और यह एक तथ्य है कि शिर्डी साईं संस्थानम् के साथ काम करने वाले यह असामाजिक तत्व (प्रमाण के रूप में अमंत्रणपत्र संलग्न) शिर्डी साईं संस्थानम् के सहयोग से सर्वधर्म सम्मलेन के नामसे मुस्लिमों और ईसाई मिशनरियों के साथ सभा आयोजित कर रहे हैं और सनातन धर्म को चुनौती दे रहे हैं जो हिंदुओं के लिए बहुत खतरनाक संकेत है। और शिर्डी साईं अब शिर्डी साईं सस्थानम् की यह गतिविधियाँ और शिर्डी साईं संस्थानम् के समर्थक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूपसे भारतके सभी राज्यों में क़ानून और व्यवस्था की समस्या उत्पन्न कर रहे हैं और गोविंदानंद सरस्वती स्वामीजी और हमारे संगठनके लिए ख़तरा उत्पन्न कर रहे हैं और श्री स्वामीजी के लिए साईं संस्थानम् और उसके अनुयायियों से पूरे भारत में अत्यंत गंभीर खतरा है। भविष्य में यदि श्री गोविन्दा नन्द स्वामी या उनके संगठन को कोई समस्या होती है तो शिर्डी साईं संस्थानम् जिम्मेदार होगा और शिर्डी संस्थानम् तथा प्रशासन के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा किया जाएगा।

और यहाँ हम आपसे अनुरोध करते हैं कि एक माह के भीतर शिर्डी साईं बाबा और उसके वास्तविक इतिहास को समाज की भलाई के लिए जनता से बताएं (कि वह एक मुस्लिम था और हिन्दू गुरु या भगवान के रूप में नहीं पूजा जा सकता और उसके लिए मंदिर नहीं बनाये जा सकते)

यदि आप साई बाबा और उसके इतिहास के बारे में वास्तविक तथ्य नहीं बता सकते तो हम आपको शास्त्रार्थ के लिये अनुरोध करते हैं और इस बात पर बहस के लिए आमंत्रित करते हैं कि आप साईं बाबा की वैधता , प्राधिकार और उसकी पूजा के औचित्य को सिद्ध करें । हम आपसे अनुरोध करते हैं कि 2 माह के भीतर (20 सितम्बर से पूर्व) सूचित करें उसके बाद शास्त्रार्थ की तिथि नियत की जायेगी और आप जहाँ भी चाहेंगे वहीं क़ानून का उल्लंघन किये बिना और सरकारी अधिकारियों और धार्मिक नेताओं के सहयोग से बैठक आयोजित की जायेगी। यदि हमें 20 सितम्बर तक कोई उत्तर नहीं मिलता तो आपको शास्त्रार्थ में हारा हुआ मान लिया जाएगा और शिर्डी साईं संस्थानम् और ट्रस्ट बोर्ड सदस्यों के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दाखिल किया जाएगा।

परम पावन की आज्ञा से,

श्री गोविन्दानन्द सरस्वती